(ख) वर्ष १९५६-५७ और चालू वर्ष में अब तक कुष्ट रोग से पीड़ित कितने मजदूरों का इन अस्पतालों में इलाज किया गया ;

श्रम उपमंत्री (श्री आविद अली) : (क) १९५६ में १७,८७६ रुपये और ३४ नये पैसे, और १९५७ में अब तक ८८,९८ रुपये और ५६ नये पैसे दिये गये ।

(ख) १९५६ में २७६ मरीजों का और १९५७ में अब तक १५४ मरीजों का इलाज किया गया है ।

झरिया कोयला क्षेत्र में अस्पताल

१८१२. श्री वि० प्र० सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि झरिया के कोयला खान क्षेत्र में स्थित तीन अस्पतालों को एक्सरे की मशीने देने के सम्बन्ध मे क्या प्रगति हुई है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आविद अली) : तीन एक्सरे की मशीनें खरीदने के लिये इन्डेंट भेजे गये है और मशीनो के आने का इन्तजार है ।

राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद्

१८१३. श्री वि० प्र० सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् की स्थापना से पूर्व विशेषज्ञो का जो कार्यकारी दल नियुक्त किया गया था, उस में कौन-कौन व्यक्ति सम्मिलित थे ;

(ख) इस "कार्यकारी दल" ने कौन सी योजनायें बनायीं; और

(ग) उन्हें क्रियान्वित करने के लिये क्या किया गया ?

श्रम उपमंत्री (श्री आविद अली) : (क) कार्यकारी दल के सदस्यों की सूची नीचे लिखे अनुसार है :—

(१) पुनःस्थापन एवं नियोजन महानिदेशक । श्रम एवं नियोजन मंत्रालय, नई दिल्ली ।

२. श्री जी० ई० चन्दीरमानी, शैक्षणिक सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।

३. श्री जंगबीर सिंह, प्रवर औद्योगिक सलाहकार, भारी उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली ।

४. श्री जे० एफ० मंचरजी, निदेशक, यांत्रिक इन्जीनियरी, रेलवे बोर्ड, रेलवे मंत्रालय नई दिल्ली

५. श्री के० के० फ्रेमजी, महानिदेशक, आर्डिनेंस फैक्ट्री, कलकत्ता ।

६. श्री टी० एन० तोलानी, निदेशक प्राविधिक शिक्षा, बम्बई ।

७. श्री डी० एल० देशपाडे, प्रधानाचार्य, बिहार प्राविधिक संस्थान, सिन्दरी ।

८. श्री सी० वी० डी० मूर्ति, निदेशक, प्राविधिक शिक्षा विभाग, हैदराबाद ।

९. श्री के० ए० शिनाय, प्रशिक्षण अधीक्षक, टाटा लोहा और इस्पात कम्पनी लिमिटेड, जमशेदपुर

१०. श्री के० सी० चक्क, सहायक निदेशक, औद्योगिक और वाणिज्यक विद्यालय, त्रिवेन्द्रम ।